



## बूँद-बूँद जल अमृत है

बूँद-बूँद पानी अमृत है यही सृष्टि का गहना है  
व्यर्थ नहीं जाने देना यदि हमें सृष्टि में रहना है।



बूँद-बूँद जल को लेकर नभ में बादल बनते हैं,  
तन-मन हर्षित होता है जब ये खूब बरसते हैं।

बूँद-बूँद जल का रिसना कम न तुमको जान पड़े,  
इसके नीचे रख दो तो भरते जाएंगे कई घड़े।

बूँद-बूँद जल को तरसोगे यदि तुम व्यर्थ बहाओगे,  
अपनी इस ओछी हरकत पर एक दिन तुम पछताओगे।

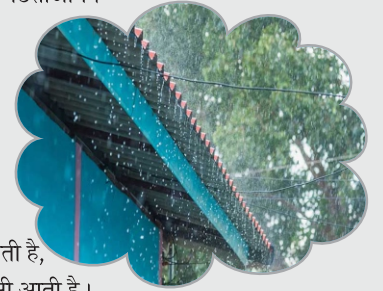


बूँद-बूँद पानी की कीमत प्यासा ही कह सकता है,  
क्या पानी के बिना कोई दो दिन भी रह सकता है।

बूँद-बूँद अधरों से लग जब सबकी प्यास बुझाती हैं,  
मन तृप्त हमारा होता है मन को भी यह हर्षाती हैं।

बूँद-बूँद है सृष्टि, सहज जीवन, अभिनंदन है,  
जल है तो ही साँसों की लय है, ये स्पंदन हैं।

बूँद-बूँद गिरती बारिश जब धरती से टकराती है,  
मिट्टी से तब सौंधी-सौंधी मादक खुशबू सी आती है।



बूँद-बूँद इस पानी से ही ताल-तलैया भरती हैं,  
खेत तृप्त हो जाते हैं, नदियाँ भी आगे बढ़ती हैं।

बूँद-बूँद हैं नस में, इन बूँदों से ही जीवन है,  
इन बूँदों में साँस हैं, मन है, सारा उपवन है।

बूँद-बूँद है जल संचय धरती के निविड़ अंधेरों में,  
हम दोहन करते हैं जिसका, नित साँझ-सवेरे डेरों में।

बूँद-बूँद सागर में है तो ही इसकी तरुणाई है,  
इसने बहुत सहेजा है यही इसकी चतुराई है।

बूँद-बूँद पानी अमृत अब निश्चित ही तुम जान गए,  
व्यर्थ नहीं बहने दोगे जो मोल सही पहचान गए।



सम्पर्क करें:

डॉ. राजीव गुप्ता

5/11, बाग कूँचा, फर्रुखाबाद

उत्तर प्रदेश-209 625

मो.नं. 6388563424

ई मेल: rajeevgupta.5j@gmail.com